हिंदी सुलभभारती

सातवीं कक्षा

भारत का संविधान

भाग 4 क

मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य– भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्र ध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करें;

(ग) भारत की प्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखें;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध है;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करें;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू ले;

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य के लिए शिक्षा के अवसर प्रदान करे ।

हिंदी सुलभभारती अध्ययन निष्पत्ति : सातवीं कक्षा

सीखने-सिखाने की प्रक्रिया	अध्ययन निष्पत्ति
सभी विद्‌यार्थियों (भिन्न रूप से सक्षम विद्‌यार्थियों सहित) को व्यक्तिगत, सामूहिक रूप से कार्य करने के अवसर और प्रोत्साहन दिया जाए, ताकि उन्हें – • हिंदी भाषा में बातचीत तथा चर्चा करने के अवसर हों । • प्रयोग की जाने वाली भाषा की बारीकियों पर चर्चा के अवसर हों । • समूह में कार्य करने और एक-दूसरे के कार्यों पर चर्चा करने, राय लेने-देने, प्रश्न करने की स्वतंत्रता हों । • हिंदी के साथ-साथ अपनी भाषा की सामग्री पढ़ने-लिखने की सुविधा (ब्रेल/ सांकेतिक रूप में भी) और उन पर बातचीत की स्वतंत्रता हों । • अपने परिवेश, समय और समाज से संबंधित रचनाओं को पढ़ने और उन पर चर्चा करने के अवसर हों । • हिंदी भाषा गढ़ते हुए लिखने संबंधी गतिविधियाँ हों, जैसे – शब्द खेल, अनौपचारिक पत्र, तुकबंदियाँ, पहेलियाँ, संस्मरण आदि । • सक्रिय और जागरूक बनाने वाली रचनाएँ, समाचार पत्र, पत्रिकाएँ, फिल्म और ऑडियो-वीडियो सामग्री को देखने, सुनने, पढ़ने, और लिखकर अभिव्यक्त करने की गतिविधियाँ हों । • कल्पनाशीलता और सृजनशीलता को विकसित करने वाली गतिविधियों, जैसे – अभिनय (भूमिका अभिनय), कविता, पाठ, सृजनात्मक लेखन, विभिन्न स्थितियों में संवाद आदि के आयोजन हों और उनकी तैयारी से संबंधित स्क्रिप्ट लेखन और वृत्तांत लेखन के अवसर हों । • विद्‌यालय / विभाग / कक्षा की पत्रिका / भित्ति पत्रिका निकालने के लिए प्रोत्साहन हों।	**विद्‌यार्थी –** 07.15.01 विविध प्रकार की रचनाओं (गीत, कथा, एकांकी, रिपोर्ताज, निवेदन, निर्देश) आदि को आकलनसहित सुनते हैं, पढ़कर समूह में चर्चा करते हैं तथा सुनाते हैं। 07.15.02 सुने हुए वाक्य, उससे संबंधित अन्य वाक्य, रचना के परिप्रेक्ष्य में कहे गए विचार, वाक्यांशों का अनुमान लगाते हुए समझकर अपने अनुभवों के साथ संगति, सहमति या असहमति का अनुमान लगाकर अपने विचार अभिव्यक्त करते हैं । 07.15.03 किसी चित्र या दृश्य को देखने, अनुभवों की मौखिक/लिखित सूचनाओं को आलेख रूप में परिवर्तित करके अभिव्यक्त करते हैं तथा उसका सारांश लेखन करते हैं। 07.15.04 दिए गए आशय, पढ़ी गई सामग्री से संबंधित प्रश्न निर्मिति करते समय दिशा निर्देश करते हुए किसी संदर्भ को अपने शब्दों में पुनः प्रस्तुत करते हैं तथा उचित उत्तर लेखन करते हैं । 07.15.05 विभिन्न स्थानीय सामाजिक एवं प्राकृतिक मुद्‌दों/घटनाओं के प्रति चिकित्सक विचार करते हुए विषय पर चर्चा करते हैं । 07.15.06 लिखित संदर्भ में अस्पष्टता, संयोजन की कमी, विसंगति, असमानता तथा अन्य दोषों को पहचानकर वाचन करते हैं। उसमें किसी बिंदु को खोजकर अपनी संवेदना, अनुभूति, भावना आदि को उपयुक्त ढंग से संप्रेषित करते हैं । 07.15.07 जोड़ी/गुट में कृति/उपक्रम के रूप में संवाद, प्रहसन, चुटकुले, नाटक आदि को पढ़ते हैं तथा उसमें सहभागी होकर प्रभावपूर्ण प्रस्तुति करते हैं । 07.15.08 रूपरेखा एवं स्वयंस्फूर्त भाव से संवाद, पत्र, निबंध, वृत्तांत, घटना, विज्ञापन आदि का वाचन एवं लेखन करते हैं । 07.15.09 दैनिक कार्य नियोजन एवं व्यवहार में प्रयुक्त मुहावरों, कहावतों, नए शब्दों को सुनते हैं, मौखिक रूप से प्रयोग करते हैं तथा लिखित रूप से संग्रह करते हैं । 07.15.10 पाठ्‌यवस्तु को पढ़ने के दौरान समझते हुए स्वयं के लिए आवश्यक जानकारी, चित्र, वीडियो क्लिप, फिल्म आदि अंतरजाल पर खोजकर तथा औपचारिक अवसर पर संक्षिप्त भाषण तैयार करके लिखित वक्तव्य देते हैं । 07.15.11 दिए गए आशय का शाब्दिक और अंतर्निहित अर्थ श्रवण करते हुए शुद्‌ध उच्चारण, उचित बलाघात, तान-अनुतान एवं गति सहित मुखर एवं मौन वाचन करते हैं । 07.15.12 प्रसार माध्यमों एवं अन्य कार्यक्रमों को सुनकर उनके महत्वपूर्ण तत्वों, विवरणों, प्रमुख मुद्‌दों आदि को पुनः याद कर दोहराते हैं तथा अपने संभाषण एवं लेखन में उनका प्रयोग करते हैं ।

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया।
दि. ३.३.२०१७ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई।

मेरा नाम ______________ है।

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

L16Y1N

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्‌वारा, पुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक एवं प्रत्येक पाठ में अंतर्निहित Q.R.Code में अध्ययन अध्यापन के लिए पाठ से संबंधित उपयुक्त दृक-श्राव्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रथमावृत्ति : २०१७
चौथा पुनर्मुद्रण : २०२१

© महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

हिंदी भाषा समिति

डॉ.हेमचंद्र वैद्‌य – अध्यक्ष
डॉ.छाया पाटील – सदस्य
प्रा.मैनोद्‌दीन मुल्ला – सदस्य
डॉ.दयानंद तिवारी – सदस्य
श्री संतोष धोत्रे – सदस्य
डॉ.सुनिल कुलकर्णी – सदस्य
श्रीमती सीमा कांबळे – सदस्य
डॉ.अलका पोतदार – सदस्य – सचिव

हिंदी भाषा अभ्यासगट

श्री रामहित यादव
सौ. वृंदा कुलकर्णी
डॉ. वर्षा पुनवटकर
श्रीमती माया कोथळीकर
डॉ. आशा वी. मिश्रा
श्रीमती मीना एस. अग्रवाल
श्रीमती पूर्णिमा पांडेय
श्रीमती भारती श्रीवास्तव
श्री प्रकाश बोकील
श्री रामदास काटे
श्री सुधाकर गावंडे
डॉ.शैला चव्हाण
श्रीमती शारदा बियानी
श्री नरसिंह जेवे
श्रीमती गीता जोशी
श्रीमती अर्चना भुसकुटे
डॉ. रत्ना चौधरी
श्री सुमंत दळवी
डॉ. बंडोपंत पाटील
श्रीमती रंजना पिंगळे
श्रीमती रजनी म्हैसाळकर
श्रीमती निशा बाहेकर
डॉ. शोभा बेलखोडे
श्रीमती रचना कोलते
श्री रविंद्र बागव
श्री काकासाहेब वाळुंजकर
श्री सुभाष वाघ

प्रकाशक :
श्री विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ
प्रभादेवी, मुंबई–२५

संयोजन :
डॉ.अलका पोतदार, विशेषाधिकारी हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ. संध्या विनय उपासनी, विषय सहायक हिंदी भाषा, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

मुखपृष्ठ और चित्रांकन : मयूरा डफळ

निर्मिति :
श्री सच्चितानंद आफळे, मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री संदीप आजगांवकर, निर्मिति अधिकारी

अक्षरांकन : भाषा विभाग,पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव
मुद्रणादेश : N/PB/2021-22/
मुद्रक : M/s

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता
और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन - अधिनायक जय हे
भारत - भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत - भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय विद्‍यार्थियो,

तुम सब पाँचवीं तथा छठी कक्षा की हिंदी सुलभभारती पाठ्‍यपुस्तक से परिचित हो और अब सातवीं हिंदी सुलभभारती पढ़ने के लिए उत्सुक होंगे । रंगीन चित्रों से सुसज्जित यह पुस्तक तुम्हारे हाथों में देते हुए अत्यधिक हर्ष हो रहा है ।

तुम्हें गेय कविता, गीत, गजल सुनना प्रिय रहा है । कहानियों के विश्व में विचरण करना मनोरंजक लगता है । निबंध, आत्मकथा जैसी विधाएँ तुम्हारे ज्ञानार्जन के लिए उपयोगी हैं । प्रयोगधर्मी बच्चों को पुस्तक में आए संवाद, एकांकी, नाटक आदि बोलने हेतु प्रोत्साहित करेंगे । इसमें भाषाई कौशल– श्रवण, भाषण–संभाषण, वाचन, लेखन ये चारों क्षमताएँ तुम्हें भाषा की दृष्टि से सक्षम बनाने के लिए आवश्यक रूप से दी गई हैं ।

डिजिटल दुनिया की नई सोच, चिकित्सक दृष्टि तथा अभ्यास को खोजबीन, सदैव ध्यान में रखो, जरा सोचो तो, मैंने क्या समझा आदि के माध्यम से पाठ्‍यपुस्तक में प्रस्तुत किया गया है । तुम्हारी सर्जना और पहल को ध्यान में रखते हुए अनेक स्वयं अध्ययन संबंधी कृतियाँ दी गई हैं । अपेक्षित भाषाई प्रवीणता के लिए भाषा अध्ययन, अध्ययन कौशल, विचार मंथन, मेरी कलम से, पूरक पठन आदि को अधिक व्यापक और रोचक बनाया गया है ।

लक्ष्य की प्राप्ति बिना मार्गदर्शक के पूरी नहीं हो सकती । अतः अपेक्षित प्रवीणता तथा उद्‍देश्य की पूर्ति हेतु अभिभावकों, शिक्षकों का सहयोग तथा मार्गदर्शन तुम्हारे कार्य को सफल बनाने में सहायक सिद्‍ध होगा ।

विश्वास है कि तुम सब पाठ्‍यपुस्तक का उपयोग कुशलतापूर्वक करोगे और हिंदी विषय के प्रति विशेष अभिरुचि एवं आत्मीयता की भावना के साथ उत्साह प्रदर्शित करोगे ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्‍यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ पुणे–०४

पुणे
दिनांक :– २८ मार्च २०१७

* अनुक्रमणिका *

पहली इकाई

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
१.	वाचन मेला	१
२.	फूल और काँटे 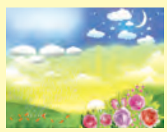	२–४
३.	दादी माँ का परिवार	५–८
४.	देहात और शहर	९–१२
५.	बंदर का धंधा	१३
६.	'पृथ्वी' से 'अग्नि' तक	१४–१७
७.	जहाँ चाह, वहाँ राह	१८–२१
८.	जीवन नहीं मरा करता है 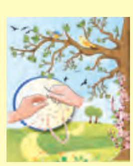	२२–२४
	* अभ्यास – १	२५
	* पुनरावर्तन – १	२६

दूसरी इकाई

क्र.	पाठ का नाम	पृष्ठ क्र.
१.	अस्पताल 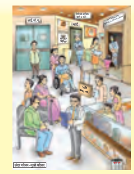	२७
२.	बेटी युग	२८–३०
३.	दो लघुकथाएँ	३१–३४
४.	शब्द संपदा	३५–३८
५.	बसंत गीत	३९
६.	चंदा मामा की जय	४०–४३
७.	रहस्य 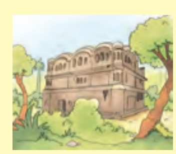	४४–४७
८.	हम चलते सीना तान के	४८–५०
	* अभ्यास – २	५१
	* अभ्यास – ३ चित्रकथा 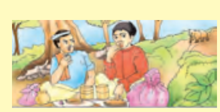	५२–५३
	* पुनरावर्तन – २	५४